नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना के 15वें दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक 11.01.2023, समय–01:00 बजे अपराह्न, स्थान–बापू सभागार, पटना)

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर मुझे हार्दिक खुशी हो रही है। ज्ञान की भूमि बिहार प्राचीन काल से ही शिक्षा का प्रमुख केन्द्र रहा है तथा यहाँ के नालन्दा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय में विश्व भर से विद्यार्थी विद्या ग्रहण के लिए आते थे। बिहार की इस प्रतिभा सम्पन्न धरती को भगवान बुद्ध, महावीर, चाणक्य, आर्यभट्ट आदि अनेक महापुरूषों और विद्वानों ने गौरवान्वित किया है।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रदान करनेवाला बिहार का एक ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय है। यहाँ की सबसे बड़ी विशेषता है कि अंकपत्र, मूल प्रमाण–पत्र, विश्वविद्यालय परित्याग पत्र आदि मांग के दिन ही उपलब्ध करा दिए जाते हैं। यह विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों की कर्त्तव्यनिष्ठा व विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता का परिचायक है। अपने कार्यों के प्रति उनका यह समर्पण अत्यंत प्रशंसनीय है।

आज के दीक्षान्त समारोह के अवसर पर उपाधि–पत्र एवं पदक प्राप्त करने वाले सभी छात्र–छात्राओं को मैं हार्दिक बधाई और शुभकामनायें देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

दीक्षान्त समारोह सभी विद्यार्थियों के जीवन में एक यादगार क्षण के रूप में आता है और इस अवसर पर उपाधि–पत्र प्राप्त करने की महती इच्छा हरेक विद्यार्थी की होती है। अब आप स्नातक या उच्च उपाधि धारक हो गये हैं।

वास्तव में दीक्षान्त पढ़ाई का अन्त नहीं है, बल्कि सतत शैक्षणिक जीवन की यात्रा का एक पड़ाव है। मैं आपसे यह कहना चाहूँगा कि अपना लक्ष्य महान रखिए, अपनी ऊर्जा पर विश्वास रखिए और हार मत मानिए, सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

मुझे विश्वास है कि अपने उच्च नैतिक मूल्यों और प्राप्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बदौलत आप राष्ट्र के विकास एवं मानवता के कल्याण में सशक्त एवं सार्थक भूमिका निभाएँगे।

दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन के लिए मैं नालन्दा खुला विश्वविद्यालय परिवार को साधुवाद देता हूँ। मेरी कामना है कि यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सदा आगे बढ़ता रहे।

बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द।

***